साप्ताहिक

RNI No. 7583/61

उज्जैन टाइम्स

● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा (मम्मू)

(म.प्र. शासन से 01-04-1997 से समाचार पत्र विज्ञापनों हेतु अनुमोदित)

● वर्ष : 63, अंक : 09 ● उज्जैन, मंगलवार दिनांक 28-11-2023 से 04-12-2023 तक ● पृष्ठ : 04 ● मूल्य : 2 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में उमड़ा अपार जनसमूह

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव प्रचार के तहत भाजपा ने हैदराबाद में एक रोड शो का आयोजन किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरटीसी चौराहे से काचीगुडा तक 2 किलोमीटर के इस रोड शो में हिस्सा लिया।

स्थानीय जनता, पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों का अभिवादन किया और अपने काफिला के साथ आगे बढ़े। इस दौरान पुलिस की ओर से कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था थी।

रोड शो के दौरान समर्थकों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पुष्पवर्षा की। मोदी के साथ तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष किशन रेड्डी और सांसद लक्ष्मण भी थे। रोड के दौरान मोदी काचीगुडा चौराहे पहुंचे और सावरकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सड़क के दोनों ओर बैरिकेड्स लगाए गए थे। दूसरी ओर सुरक्षा उपायों के तहत अधिकारियों ने चिक्कडपल्ली और नारायणगुडा मेट्रो स्टेशनों को अस्थायी रूप से बंद करा दिया था। इस रोड शो के साथ तेलंगाना में मोदी का चुनाव अभियान खत्म हो गया। इस अलावा वह स्थानीय गुरुद्वारा भी गए और एनटीवी द्वारा आयोजित कार्तिक दीपोत्सव में भाग लिया। इसके बाद वे दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

गाय की उपयोगिता सिद्ध करेगा परखम का गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र-भागवत

मथुरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मथुरा जिले के फरह क्षेत्र के ग्राम परखम में मंगलवार को दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र के मुख्य और प्रशासनिक भवन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही दीनदयाल बुनकर केंद्र एवं बायो गैस प्लांट का भी लोकार्पण किया।

इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व के सामने ग्राम परखम का यह अनुसंधान केंद्र गाय की उपयोगिता का वैज्ञानिक प्रमाण देगा। यह अनुसंधान केंद्र मानव जीवन में गाय की महती उपयोगिता पर एक नई पटकथा लिखेगा कि पर्यावरण संकट का उपाय गाय ही है। इस अवसर पर हंस फाउंडेशन की अध्यक्ष मंगला माता, साध्वी ऋतम्भरा, दीनदयाल कामधेनु गौशाला समिति के अध्यक्ष महेश गुप्ता एवं मंत्री हरीशंकर शर्मा के साथ कई साधु-संत एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

डॉ. भागवत ने कहा कि भारत की परम्परा लेकर देना है। हमें प्रकृति इतना सब देती है तो हमें उसे दोगना वापस करने की कोशिश करनी चाहिए और गाय पाल कर हम ऐसा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि देशी गाय के दूध की महिमा आज सबको माननी पड़ी है। जैसे-जैसे हम प्राचीन मूल्यों की ओर बढ़ रहे हैं वैसे ही धीरे-धीरे भारत वर्ष भी उठ खड़ा हो रहा है। यहां होने वाले अनुसंधान विश्व के सामने गाय की उपयोगिता प्रमाण के साथ प्रदर्शित करेंगे और सतत प्रयास से हमें ये लक्ष्य प्राप्त होगा। जैसे राम मंदिर बनने में 30 साल तक लगातार सतत प्रयास हुए तब कहीं जाकर प्रयास सार्थक हुए, ऐसे ही यह लक्ष्य भी काफी बड़ा है, लेकिन प्रयास से हमें लक्ष्य हासिल होगा। हंस फाउंडेशन की अध्यक्ष मंगला माता ने कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल आधार गाय है। सरकार के अलावा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी भी गाय की रक्षा करना है। कैंसर जैसे असाध्य रोगों के इलाज में पंचगव्य की महत्ता पर अनुसंधान सम्पूर्ण मानव को एक नई उम्मीद देगा।

इस अवसर पर संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने पंचगव्य के पाठ्यक्रम की पुस्तकों का विमोचन भी किया। युवाओं के मार्गदर्शन एवं गौ की उपयोगिता बताने के लिए गोदान फिल्म के पोस्टर का विमोचन भी किया गया। परखम में जन्मे संघ के पदाधिकारी गिर्राज ताऊजी की स्मृति में गिर्राज गौशाला का शुभारम्भ भी किया गया।

भाजपा की सबसे बड़ी जीत होगी-शिवराज

नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एक दिवसीय प्रवास पर नरसिंहपुर पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री चौहान तेंदूखेड़ा विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी विश्वनाथ सिंह पटेल की माताजी की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे। इसके बाद मीडिया से बातचीत करते हुए उन्होंने विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत को लेकर बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरसिंहपुर में पहले वृक्षारोपण किया।

इसके बाद वे विश्वनाथ सिंह पटेल की माता जी गुलाब बाई पटेल के की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे। इसके बाद मीडिया से रूबरू होते हुए शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि इस बार भाजपा की सबसे बड़ी जीत होगी। उन्होंने कहा कि जनता विश्वास कर रही है। भारतीय जनता पार्टी यहां भी जीतेगी, राजस्थान के साथ छत्तीसगढ़ में भी इस बार भाजपा की सरकार बनेगी। मध्य प्रदेश में तो अब तक की सबसे बड़ी जीत होगी।

सम्पादकीय

सरकार और उपराज्यपाल के बीच तकरार

दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच तकरार का फिलहाल कोई अंत नजर नहीं आता। सरकार के हर कदम पर उपराज्यपाल की ओर से अवरोध सामने आता है और फिर दिल्ली सरकार अदालत का दरवाजा खटखटाने चली जाती है। मुख्य सचिव की नियुक्ति को लेकर अब एक बार फिर दोनों के बीच का टकराव अदालत तक पहुंचा है। सर्वोच्च न्यायालय ने इसका समाधान सुझाते हुए केंद्र सरकार और उपराज्यपाल से कहा है कि वे पांच अधिकारियों के नाम दिल्ली सरकार को सुझाएं, ताकि वह उनमें से किसी एक को मुख्य सचिव के रूप में चुन सके। इस तरह नए मुख्य सचिव के नाम की घोषणा हो सकती है। इस मामले की सुनवाई करते हुए एक बार फिर सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने पूछा कि उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री राजनीतिक कलह से ऊपर उठ कर, आमने-सामने बैठ कर ऐसी समस्याओं का समाधान क्यों नहीं निकाल सकते। आप लोग हमें कोई ऐसा तरीका सुझाएं, जिससे सरकार चलाई जा सकती है। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय भी अब दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल के बीच के रोज-रोज के झगड़ों से तंग आ चुका है। मगर मुश्किल यह है कि केंद्र सरकार ने उपराज्यपाल के जरिए दिल्ली सरकार पर हर तरह से नकेल कसने का कानूनी इंतजाम कर रखा है।

वर्तमान मुख्य सचिव का कार्यकाल इस महीने खत्म हो रहा है। उनकी जगह नए सचिव की नियुक्ति होनी है। दिल्ली सरकार ने वर्तमान मुख्य सचिव पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं और उससे संबंधित रपट भी उपराज्यपाल के पास भेजी है। हालांकि उपराज्यपाल ने रपट को राजनीतिक दुराग्रह से तैयार की हुई बताते हुए उस पर कोई कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। दिल्ली सरकार को लग रहा था कि केंद्र सरकार कहीं वर्तमान मुख्य सचिव का कार्यकाल न बढ़ा दे। इसलिए उसने अदालत में गुहार लगाई कि चूंकि नए दिल्ली सेवा कानून को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है, इसलिए बिना दिल्ली सरकार से सुझाव लिए मुख्य सचिव के कार्यकाल में विस्तार या फिर नए मुख्य सचिव की नियुक्ति नहीं की जा सकती। नए कानून के मुताबिक मुख्य सचिव की नियुक्ति का अधिकार उपराज्यपाल को है।

हालांकि जब यह नियम नहीं था, तब भी मुख्य सचिव की नियुक्ति में उपराज्यपाल की ही मर्जी चलती थी। इससे पहले दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग के प्रमुख की नियुक्ति के मामले में भी सर्वोच्च न्यायालय को जुलाई में दखल देना पड़ा था। तब भी अदालत ने यही कहा था कि ऐसे मामलों को उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को मिल-बैठ कर क्यों नहीं सुलझाना चाहिए। यों जबसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, तभी से उपराज्यपाल और सरकार के बीच तकरार की स्थिति बनी रहती है। इसके पहले भी जो उपराज्यपाल आए, उनके साथ दिल्ली सरकार का तालमेल ठीक नहीं रहा। इसे लेकर दिल्ली सरकार ने अदालती लड़ाई भी लड़ी। आखिरकार सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि चुनी हुई सरकार को ही नीतियों से संबंधित फैसले करने का अधिकार है। उपराज्यपाल को उसमें दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। तब केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर सरकार की सारी शक्तियों को उपराज्यपाल में केंद्रित कर दिया। फिर उसे कानूनी जामा भी पहना दिया गया। हालांकि इसे संविधान की मूल भावना के विरुद्ध उठाया गया कदम बताते हुए चुनौती दी गई है। मगर इसके बाद से दोनों के बीच तकरार कुछ अधिक तीखा हो गया है। इसका असर दिल्ली सरकार की सेवाओं और आखिरकार जनसामान्य पर पड़ रहा है।

अशोभनीय भाषा का उपयोग कर राहुल गिरा रहे अपनी साख

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है। लेकिन राहुल गांधी ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उनके लिए 'पनौती', जेबकतरे और अन्य विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राहुल गांधी के ये अशोभनीय एवं मर्यादाहीन बयान क्या रंग लायेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र के लिये देश के प्रधानमंत्री के लिये इस तरह के निम्न, स्तरहीन एवं अमर्यादित शब्दों का प्रयोग होना, एक विडम्बना है, एक त्रासदी है, एक शर्मनाक स्थिति है। केवल कांग्रेस ही नहीं, अन्य राजनीतिक दल के नेता भी ऐसी अपरिपक्वता एवं अशालीनता का परिचय देते रहे हैं।

पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को चौदह लाख करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप भी सत्यता से परे, तथ्यहीन, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले हैं। 'जेबकतरे' शब्द का प्रयोग करते हुए आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री लोगों का ध्यान भटकाते हैं। जबकि उद्योगपति गौतम अडानी उनकी (लोगों की) जेब से पैसे निकालते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेबकतरे इसी तरह काम करते हैं।

आयोग ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बारे में भी बताया जिसमें कहा गया था कि अगर संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जाती है तो प्रतिष्ठा के अधिकार को भी अनुच्छेद 21 में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है। इन दो अधिकारों को संतुलित करना एक संवैधानिक आवश्यकता है। लेकिन राहुल गांधी को यह संतुलन साधना कहा आता है?

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' जैसे आपत्तिजनक, विवादित एवं अपशब्द का इस्तेमाल किया था। यह एक शब्दभर नहीं है, बल्कि अनेक कुटिलताओं की अभिव्यक्ति है, 'पनौती' मोटे तौर पर ऐसे शख्स के लिये उपयोग किया जाता है, जिसकी मौजूदगी होने भर से बनता काम बिगड़ जाता है। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। वैसे इसका किसी ज्ञान-विज्ञान और तर्क से नाता नहीं है। जाने-माने भाषाविद् डॉक्टर सुरेश पंत के मुताबिक, हिंदी में -औती प्रत्यय से अनेक शब्द बनते हैं। इनमें कटौती, चुनौती, मनौती, बपौती इत्यादि शामिल हैं। पनौती शब्द नकारात्मकता एवं अशुभता का सूचक है। पनौती को शनि की बुरी दशा का समय माना जाता है। इसका मतलब बाढ़ भी होता है। पनौती तमिल शब्द पन्नादाई का अपभ्रंश भी है। इसका मतलब होता है 'एक ढीला बुना हुआ कपड़ा' या 'मूर्ख'।

बात केवल राहुल गांधी की ही नहीं है, कौन भूल सकता है सोनिया गांधी का वह बयान, जिसने वास्तव में गुजरात की जनता को झकझोर कर रख दिया था। तब सोनिया ने गुजरात के तत्कालीन और बेहद लोकप्रिय मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। सोनिया ने कहा था, मेरा पूरा भरोसा है कि आप ऐसे लोगों को मंजूर नहीं करेंगे जो जहर के बीज बोते हैं। 'मौत का सौदागर' के बाद 'जहर की खेती' के इस बयान ने गुजरात ही नहीं, देश की जनता की भावना को जगा दिया। नतीजा लोकसभा चुनाव के परिणाम के रूप में सामने आया, जिसमें बीजेपी को 278 और कांग्रेस को 45 सीटें मिलीं। जनता को बेवकूफ एवं नासमझ समझने की भूल कांग्रेस बार-बार करती रही है और बार-बार मात खाती रही है। इन चुनावों में भी ऐसी मात खाने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। क्योंकि जनता अपने सर्वोच्च नेतृत्व को मर्यादाहीन तो कत्तई नहीं देखना चाहती। कभी पूर्व कैबिनेट मंत्री मणिशंकर अय्यर मोदी को 'नीच' तक कह देते हैं तो राहुल तो सर्जिकल स्ट्राइक पर 'खून की दलाली' जैसे आरोप लगाते रहे हैं।

नोटबंदी को लेकर जहां पूरा देश नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा था, तब विपक्ष को काले कारोबारियों के साथ खड़ा होने में जरा भी शर्म नहीं आई। विपक्ष ने दुनिया के कुख्यात रहे तानाशाह हिटलर, मुसोलिनी, कर्नल गद्दाफी से प्रधानमंत्री मोदी की तुलना कर डाली। इस तरह के स्तरहीन, ओछे एवं अमर्यादित बयानों से न केवल विपक्ष दलों के नेताओं बल्कि कांग्रेस पार्टी की न केवल फजीहत होती रही है, बल्कि उसकी बौखलाहट को दर्शाती रही है। इस तरह के लोग राजनीति में जगह बनाने के लिये ऐसी अनुशासनहीनता एवं अशिष्टता करते हैं। राहुल के इस तरह के ओछे, स्तरहीन एवं अशालीन शब्दों के प्रयोग का एक लम्बा सिलसिला है। मोदी पर गाली की बौछार में कभी उनको सांप, बिच्छू और गंदा आदमी कहा गया था। तो कभी लहू पुरुष, पानी पुरुष और असत्य का सौदागर भी बताया। सत्ता के शीर्ष पर बैठकर यदि इस तरह जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की आशा नहीं की जा सकती, पर वे अशालीनता एवं अमर्यादा पर उतर आये, यह ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरा ईश्वर दरिद्र-नारायणों में रहता है।' आज यदि उनके भक्तों-कांग्रेसजनों से यही प्रश्न पूछा जाये तो संभवतः यही उत्तर मिलेगा कि हमारा ईश्वर कुर्सी में रहता है, सत्ता में रहता है। तभी उनमें अच्छाई-बुराई न दिखाई देकर केवल सत्तालोलुपता दिखती है।

ये तथाकथित नेता गाली ही नहीं देते रहे, बल्कि गोली तक की भाषा का इस्तेमाल करते रहे हैं। लेकिन कोई गाली या गोली मोदी का बाल भी बांका नहीं कर सकेंगी क्योंकि वे जनसमर्थन से इन ऊंचाइयों को पाया है। मोदी को तो बोटी-बोटी काट देने की धमकी खुलेआम दी गयी। किसी ने मोदी को रैबिज से पीड़ित बताया तो किसी ने उन्हें केवल चूहे मात्र माना। चायवाले से तो वे चर्चित हैं। लेकिन मोदी के व्यक्तित्व की ऊंचाई एवं गहराई है कि उन्होंने अपने विरोध को सदैव विनोद माना। मोदी को बार-बार कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। चुनाव का समय हो या सामान्य कार्य के दिवस मोदी ने कम गालियां नहीं खाईं। उनके विचारों को, कार्यक्रमों को, देश के लिये कुछ नया करने के संकल्प को बार-बार मारा जा रहा है। लेकिन मोदी भारत की आजादी के बाद बनी सरकारों के अकेले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें कोई गोली या गाली नहीं मार सकती। क्योंकि मोदी की राजनीति व धर्म का आधार सत्ता नहीं, सेवा है, राष्ट्र-निर्माण है।

गरीबों की सेवा करना चाहता हूं, प्रत्येक व्यक्ति के मन में संवेदना होना चाहिये-राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

उज्जैन। मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अंबोदिया ग्राम स्थित अंकित ग्राम सेवाधाम आश्रम के कार्यक्रम में उपस्थित होकर कहा कि मैं राज्यपाल की हैसियत से नहीं वरन एक सामान्य सेवक बनकर गरीबों की सेवा करना चाहता हूं। प्रत्येक व्यक्ति के मन में संवेदना होना चाहिये, ताकि वह सच्ची मानव सेवा कर सके। संवेदना नहीं तो दिल हमारा पत्थर है। सेवाधाम आश्रम में जो सेवा सुधीरभाई कर रहे हैं, ऐसी सेवा मैं भी करना चाहता हूं। दीक्षांत समारोह में बच्चों से कहता हूं कि पढ़-लिखकर सिर्फ पैसा कमाने का उद्देश्य मत रखना। अपने मां-बाप की, देश की, राज्य की, गरीब दीन-दुखियों की सेवा करना।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने अंकित ग्राम सेवाधाम आश्रम में आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय समाजसेवक सम्मेलन के समापन के अवसर पर आये थे। उन्होंने कहा कि शपथ के पहले सेवाधाम आश्रम में आकर मानव सेवा को देखा और सुधीरभाई गोयल द्वारा किये जा रहे सेवा प्रकल्पों से जुड़ा, यह मेरा सौभाग्य था। समाचार-पत्रों, चैनलों पर देखता हूं कि कभी-कभी बच्चों के मां-बाप को घर से निकाल दिया, तो मन व्यथित हो जाता है, इसलिये दीक्षा देने जहां भी मैं जाता हूं बच्चों को कहता हूं कि मानव जीवन बार-बार नहीं मिलता है। इसे समाजसेवा में भी लगाना। मानव सेवा प्रभु सेवा है। यदि बच्चे यह करते रहेंगे तो जीवन में आत्मसंतोष मिलेगा। मानव सेवा करना परमोधर्म है। राज्यपाल ने श्रवण कुमार की कहानी भी सुनाई। गरीबों की सेवा करना उत्तम काम है। हमारे समाज में समाजसेवकों की बहुत आवश्यकता है। आत्मा में संवेदना होना चाहिये, तभी वेदना होगी और समाज सेवा की जा सकती है। संवेदना से ही मानव सेवा का भाव मन में आता है। सेवाधाम आश्रम जो कार्य कर रहा है, ऐसी समाजसेवा सबको करना चाहिये। कार्यक्रम के प्रारम्भ में राष्ट्रगान के साथ समारोह शुरू हुआ। आश्रम की दृष्टिबाधिता भोली अग्रवाल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। स्वागत भाषण देते हुए सेवाधाम आश्रम के संस्थापक श्री सुधीरभाई गोयल ने आश्रम की जानकारी देते हुए बताया कि यह शीघ्र ही एक हजार महिलाओं को रहने के लिये भवन बनाया जा रहा है। सेवाधाम लगातार मानव सेवा के कार्य कर रहा है और यहां 500 से अधिक सदस्य एक परिवार की तरह रहते हैं। कार्यक्रम में पद्मश्री भिकुराम इदाते ने डीएनटी फाउंडेशन का परिचय देते हुए बताया कि घुमंतु जाति के लोगों को देश की नागरिकता दिलाने के लिये उनकी संस्था काम कर रही है। सेवाधाम आश्रम के अध्यक्ष डॉ.ऋषिमोहन भटनागर ने आश्रम में आयोजित प्रथम समाजसेवक सम्मेलन की जानकारी देते हुए बताया कि सम्मेलन में देश-विदेश से 100 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के अधिकारी, शिक्षाविद आदि शामिल हुए और यह तथ्य निकलकर आया कि समाजसेवक अकादमी की स्थापना होना चाहिये और समाजसेवी को भी सम्मान-सुविधाएं मिलना चाहिये।

कार्यक्रम में महामण्डलेश्वर मंदाकिनी देवी ने सम्बोधित करते हुए कहा कि सेवाधाम आश्रम के कार्यों की सराहना की। उन्होंने बताया कि मानव सेवा से बढ़कर कोई सेवा नहीं है। वाल्मिकीधाम के श्री उमेशनाथ महाराज ने कहा कि सम्पूर्ण देश में एक ही समस्या है कि समाजसेवा कौन करे। समाजसेवा के काम में सुधीरभाई ने एक मिसाल कायम की है। समाज की सेवा करना और उससे भी बढ़कर दीन-दुखियों की सेवा करना अतिउत्तम कार्य है। हमारे ऋषि-मुनियों ने सेवा का मार्ग हम सबको बताया है। उसी मार्ग पर चलकर प्रत्येक मनुष्य दीन-दुःखियों, अपाहिजों की सेवा का समय निकालकर सच्ची सेवा करे। सेवाधाम आश्रम अजर रहे, अमर रहे। सामाजिक समरसता के साथ सेवाभाव हमारे दिल में आना चाहिये।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की उपस्थिति में उपस्थित सन्त, महन्त आदि ने सुधीरभाई गोयल और ऋषि भटनागर द्वारा पद्मश्री भिकुराम इदाते को वरिष्ठ पत्रकार सत्यनारायण गोयल लाईफ टाईम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। कार्यक्रम में पद्मश्री सर्वश्री भूपेन्द्र कुमार सिंह (देहरादून), उमाशंकर पाण्डे, डॉ.माधुरी भरतवाल, डॉ.विद्या बिन्दु सिंह, भरतभाई पाटनी, सतीश एवं हीना नगरे, बालकृष्ण मिश्रा, डॉ.श्वेता तोमर, श्री अर्चित बेंगाली आदि को राज्यपाल की उपस्थिति में उपस्थित मंचासीन अतिथियों ने सेवाधाम आश्रम द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पद्मश्री विद्या बिन्दु, उमाशंकर पाण्डे, भिकुराम इदाते, ऋषिमोहन भटनागर, पीठाधीश्वर श्री उमेशनाथ महाराज, मंदाकिनी देवी, सुधीर भाई गोयल, विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अखिलेश पाण्डे, भरतभाई पाटनी मंचासीन थे।

इसके पूर्व राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का सेवाधाम आश्रम के समीप बने हेलीपेड पर कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक श्री सचिन शर्मा, श्री सुधीरभाई गोयल, कुलपति श्री अखिलेश कुमार पाण्डे ने स्वागत किया। कार्यक्रम में सेवाधाम आश्रम के दिव्यांग, बच्चे, महिलाएं, मानसिक बीमार, वृद्धजन आदि ने सेवाधाम के मुख्य गेट पर राज्यपाल का पुष्पवर्षा कर सेवाधाम सदगुरू बैण्ड के माध्यम से स्वागत किया।

कार्यक्रम के संचालन श्रीमती अनीता गोयल ने किया और अन्त में आभार पद्मश्री उमाशंकर पाण्डे ने माना। कार्यक्रम के पहले एवं समापन पर राष्ट्रगान हुआ।

एनसीसी स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम सम्पन्न

उज्जैन। शासकीय कालिदास कन्या महाविद्यालय में एनसीसी के स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. अजय भार्गव एवं आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. हरीश व्यास डॉ अंजना जायसवाल प्रभारी एनसीसी अधिकारी के आतिथ्य में संपन्न हुआ प्राचार्य डॉ.भार्गव ने अपने उद्बोधन में छात्र सैनिकों को एनसीसी दिवस की शुभकामना देते हुए छात्र सैनिकों को आगे बढ़ाने एवं महाविद्यालय परिवार का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया आइक्यूएसी प्रभारी डॉ. व्यास ने छात्र सैनिकों का उत्साह वर्धन कर एनसीसी दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की प्रोफेसर श्रीमती सरिता यादव द्वारा छात्र सैनिकों को मार्गदर्शन दिया कार्यक्रम का संचालन छात्र सैनिक भारती पांचाल द्वारा किया गया आभार प्रभारी एनसीसी अधिकारी डॉ.अंजना जायसवाल द्वारा किया गया।

माइक्रो ऑब्जर्वर, गणना पर्यवेक्षकों, गणना सहायकों एवं सूक्ष्म प्रेक्षकों का प्रशिक्षण 28 नवम्बर को होगा

उज्जैन। विधानसभा निर्वाचन के अन्तर्गत 3 दिसम्बर को मतगणना की कार्यवाही इन्दौर रोड स्थित शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय में सम्पन्न होगी। इसके तहत माइक्रो ऑब्जर्वर, गणना पर्यवेक्षकों एवं गणना सहायकों, सूक्ष्म प्रेक्षकों का प्रशिक्षण मंगलवार 28 नवम्बर को देवास रोड स्थित विक्रम विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानन्द अभियांत्रिकी महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक-7 से 13 में दोपहर एक बजे से आयोजित किया जायेगा। अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी श्रीमती प्रीति यादव ने जिन गणना प्रेक्षकों, गणना सहायकों एवं सूक्ष्म प्रेक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है वे अपने-अपने सम्बन्धित कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिये हैं कि उक्त तिथि में प्रशिक्षण कार्यक्रम से अवगत करा लिया है, इस आशय का प्रमाण-पत्र कार्यालय प्रमुख कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के मतदान गठन शाखा के कक्ष क्रमांक-235 में उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण 10 से 12 दिसम्बर

उज्जैन। प्रदेश के 16 जिलों में 10 से 12 दिसम्बर, 2023 को पल्स पोलियो अभियान के अतिरिक्त चरण में जीरो से 5 वर्ष आयु के लगभग 37 लाख 50 हजार बच्चों को पल्स पोलियो वैक्सीन की खुराक दी जायेगी। प्रदेश के 16 जिलों सहित उज्जैन संभाग के मंदसौर एवं नीमच जिले में जीरो से पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी जायेगी।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान में पोलियो के केस मिलने के कारण और साथ ही पोलियो-फ्री स्टेटस को मेंटेन रखने के लिये पल्स पोलियो अभियान का अतिरिक्त चरण किया जा रहा है। प्रदेश के भिण्ड, भोपाल, छिंदवाड़ा, दतिया, ग्वालियर, इंदौर, कटनी, खरगौन, मंदसौर, नरसिंहपुर, नीमच, निवाड़ी, सतना, श्योपुर, टीकमगढ़ और विदिशा जिलों में अभियान संचालित होगा। इन जिलों में पोलियो दवाई पिलाने के लिये स्थानीय बूथ के साथ-साथ माइग्रेटरी पापुलेशन को कवर करने के लिये मोबाइल टीम भी गठित की जायेगी।

ठहाका सम्मेलन परिवार के दीपावली ठहाका मिलन समारोह में लगा हास्य व्यंग्य की मस्ती का तड़का

उज्जैन। ठहाका सम्मेलन परिवार द्वारा दीपावली ठहाका मिलन समारोह का आयोजन किया जिसमें पानी पताशा भंडारा का भव्य आयोजन ठहाका उस्ताद डॉ. महेन्द्र यादव द्वारा चटोरों की नगरी उज्जैन में किया गया। बच्चो से लेकर बड़ों तक ने जी भरकर फ्री में पानी पूरी का रसास्वादन किया।

इस भंडारे में बहुतायात संख्या में स्कूल कॉलेज की लड़कियों के साथ महिलाएं भी शामिल हुई। आयोजको द्वारा हैदराबाद के अंकुर हरारे द्वारा बनाए गए वर्ल्ड रिकॉर्ड 128 पानी पताशी खाने का रिकॉर्ड तोड़ने वालो के लिए दस हजार रु का नगद पुरस्कार भी रखा गया था लेकिन अफसोस यह रिकॉर्ड कोई नही तोड़ पाया।

डॉ. महेन्द्र यादव ने बताया कि इस बार जो रिकॉर्ड दर्ज हुआ उसमे उज्जैन के अक्षय सिंह 92 पानी पताशी खाकर शीर्ष पर रहे वहीं ललित लुल्ला 72 पानी पताशी, पत्रकार अजय पटवा 70 पानी पताशी खाकर क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। खबर ऐसी भी है कि फ्री पताशी के चक्कर में कईयों की मथुरा की गली इंडिया गेट हो गई। कवियों ने भी इस पानी पताशी भंडारे में हास्य व्यंग्य की मस्ती का तड़का लगाया। कुमार संभव ने प्यार मोहब्बत के गीतों से आनंद दिया साथ ही खट्टी मीठी केरी के पानी से स्वाद को रसीला बनाया। अंतर्राष्ट्रीय कवि अशोक भाटी ने वाणी की बियर और शब्दों के पेग में रसिकों को मदहोश किया।

कवि नरेन्द्र सिंह अकेला ने इमली के रसीले व्यंग्य से हास्य का करंट फेलाया। नौजवान कवि सुगन सुगनचंद जैन ने पत्नियों के खुश रहने का मंत्र दिया एवं चार पताशीयों को टपका दिया।

युवा कवि रवि भूषण श्रीवास्तव ने प्रेमिका के साथ पानी पताशी खाने के फायदे बताए लोकप्रिय कवि दिनेश दिग्गज ने पताशी, पानी पूरी, गोल गप्पे पर स्वादिष्ट बुक्का फाड़ ठहाके लगवाए। ख्यात नाम संचालक डॉ. महेन्द्र यादव ने हास्य व्यंग्य की हरी, लाल, कबीट की चटनी से आनंद की सुरसूरी पैदा की। बकोल यादव खाओ हँसके मारों ठसके, काबा हो या काशी.. मोक्ष जब तक नहीं मिलता, जब तक खाओ ना पताशी ,पोहा, जलेबी, समोसा हो या कचोरी... सब पर भारी है, दही पूरी सिंह हो, मकर हो, या कर्क हो राशि.. सबकी चहेती है पानी पताशी, हिंदू, मुस्लिम सिख, ईसाई.. प्रेम से खाते है पानी पताशी भाई, अशोक हो, अकेला हो, दिनेश हो या फिर महेंद्र.. पानी पताशा है सबकी मुस्कुराहट का केंद्र। कार्यक्रम में प्रमुख रूप में शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए जिनमे प्रमुख रूप से वरिष्ठ पत्रकार उदय चंदेल, राजीव सिंह भदौरिया, हितेंद्र सिंह सेंगर, राहुल सिंह भदौरिया, दीपक बेलानी, टिकम सेठ, सफदर बेग, डॉ. खालिद शेख, मन्नू मास्टर, फहीम सिकंदर, पुरुषोत्तम नागराज, सलीम भाई गैस वाले ठहाका सम्मेलन सामाजिक संस्था के प्रमुख डॉ. महेन्द्र यादव, हरिसिंह यादव, ललित लुल्ला, रितिक यादव, मनोहर परमार, विजय तिवारी, राहुल प्रजापति, आशीष खण्डेलवाल, सुरेंद्र सिंह ठाकुर, मकसूद पठान, मनीष सोलंकी, आशीष मालवीय, लखन शर्मा, शशांक चंदेरिया की प्रमुख भूमिका रही।

संविधान दिवस मनाया

उज्जैन। शहर के बुध्द विहार में संविधान दिवस मनाया गया। राजगृह बुद्ध विहार पर मुख्यालय के अधीन मऊरानीपुर, कुचलोन, नगरा, टीकमगढ, ललितपुर, अमरपुर, बैदौरा, ओरछा, अम्बावाय, उज्जैन, आदि स्थानों पर स्थापित बुद्ध विहारों के भिक्खु महानाम, भिक्खु बुद्ध शरण, धम्म शरण, संघ शरण, भिक्खु शील रतन, भिक्खनी संघरक्षिता, डॉ प्रशान्त जाम्बुलकर, श्रद्धा जाम्बुलकर, डॉ हरी बावू कटारिया, सावित्री कटारिया, आनन्द बौद्ध, सूर्या बौद्ध, काशीराम बौद्ध, जगदीश प्रजापति, अरून कुमार, लाल बहादुर, विनोद भगौरिया, रोहित, देवजू, दीपक, मित्र कुशवाह आदि ने संविधान दिवस पर विचार व्यक्त किये। झाँसी एवं ललितपुर के बौद्ध भिक्खुओं को संघदान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा विचार व्यक्त किये।

संविधान सभा ने भारत के संविधान को 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 26 नवम्बर 1949 को पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया। गणतंत्र भारत में 26 जनवरी 1950 से संविधान अमल में लाया गया। 16 इंच चौड़ी संविधान की मूल प्रति 22 इंच लंबे चर्मपत्र शीटों पर लिखी गई है। 251 पृष्ठ, संविधान 25 भागों, 470 अनुच्छेदों और 12 सूचियों में बंटा भारतीय संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है।

डाक टिकटों की प्रदर्शनी 28, 29 को

उज्जैन। भारतीय डाक विभाग मालवा संभाग उज्जैन द्वारा जिला स्तरीय फिलाटेली प्रदर्शनी अवंतिकापेक्स-2023 का आयोजन 28 एवं 29 नवंबर को उज्जैन के महाकाल परिसर, अरविंद नगर, कोयला फाटक के पास किया जा रहा है।

प्रदर्शनी में भारतीय डाक विभाग के द्वारा डाक टिकटों के माध्यम से भारतवर्ष के इतिहास में वैज्ञानिक, महान नेता, देश की सांस्कृतिक विरासत, कलात्मक गतिविधियों एवं जीव-जंतुओं की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। डाक टिकट संग्रह जिसे किंग ऑफ हॉबीज कहा जाता है के बारे में दिलचस्प जानकारी इस प्रदर्शनी में मिलेगी जो कि छात्र-छात्राओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी रहेगी। उनके मानसिक एवं संपूर्ण विकास में भी यह योगदान देगी। प्रदर्शनी में प्रवेश पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेगा।

यह जानकारी देते हुए प्रवर अधीक्षक डाकघर मालवा संभाग उज्जैन एसके ठाकरे ने बताया फिलाटेली प्रदर्शनी के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी प्रदर्शनी स्थल पर किया जाएगा। स्टैंप डिजाइन प्रतियोगिता 28 नवंबर को

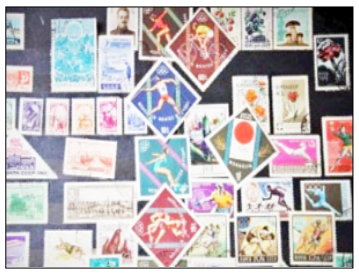

दोपहर 3 से 4 बजे तक कक्षा 1 से 5, 6 से 8 और 9 से 12 वीं तक के लिए डिजिटल इंडिया विषय पर होगा। क्विज प्रतियोगिता शाम 4 से 5 बजे के बीच कक्षा 5 से 8 व 9 से 12 वीं तक के लिए मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान, फिलाटेली एवं डाक विभाग की सामान्य जानकारी से संबंधित प्रश्नोत्तरी पर होगी।

पत्र लेखन प्रतियोगिता 29 नवंबर को दोपहर 2 से 3 बजे तक कक्षा 5 से 8 व 9 से 12 वीं के लिए मेरी नजर में 2047 का भारत विषय पर होगी। प्रदर्शनी सुबह 10 से रात 8 बजे तक खुली रहेगी।

प्रतियोगिता के लिए विभिन्न विद्यालयों से प्रविष्टियां प्राप्त हो चुकी है। यदि कोई विद्यार्थी इसके बावजूद इसमें भाग लेना चाहता है तो वह प्रदर्शनी स्थल पर विद्यालय का पहचान पत्र लेकर उपस्थित हो सकता है।

चार गाय और एक सांड की जहरीला आटा खाने से मौत

उज्जैन। सेठी नगर में रहने वाले लोगों ने तीन अलग-अलग स्थानों पर गाय व सांड की लाशें देखी, जिसकी सूचना माधवनगर पुलिस को दी। पुलिस की सूचना पर पशु चिकित्सक भी आए और जांच शुरू की।

सेठीनगर से उदयन मार्ग की ओर आने वाली सड़क किनारे मैदान में आटा और उसमें जहर की पुडिया मिलीं हैं। डॉक्टर व पुलिस का मानना है कि संभवतः इसी जहर मिले आटे को खाने से पशुओं की मृत्यु हुई है।

हेमंत जैन निवासी सेठी नगर ने बताया कि सामने रहने वालों ने बताया कि घर के सामने गायें मृत पड़ी हैं। मौके पर आकर देखा तो आसपास के अन्य लोग भी बड़ी संख्या में एकत्रित हो गये। सामने स्थित अग्रसेन नगर में दो गायें एक घर के बाहर मृत मिलीं, वहीं नगर निगम कालोनी में भी एक गाय की मृत्यु हुई। इस प्रकार कुल 4 गायें और एक सांड की लाश पड़ी होने की सूचना माधवनगर पुलिस को दी गई। पुलिस टीम ने यहां पहुंचकर जांच शुरू की। खुले मैदान में एक जगह आटा मिला जिसमें जहर की पुड़िया भी मौजूद थी। सभी पशुओं की उल्टी होने के बाद मृत्यु हुई। पशु चिकित्सक ने बताया, संभवतः जहर मिला आटा खाने से ही पशुओं की मौत हुई है लेकिन इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम के बाद हो पाएगी।

माधवनगर पुलिस ने मैदान में पड़े जहरीले आटे के सैंपल जब्त किए हैं। इसी आटे में सल्फास पावडर-सी दिखने वाली पारदर्शी पॉलीथिन भी थी। वहीं पशुओं के शवों को पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया गया।

खुले मैदान में जिस व्यक्ति ने भी जहर मिला आटा डाला था उसकी पहचान रोड की दूसरी तरफ स्थित घरों में लगे सीसीटीवी कैमरों से हो सकती है। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया, सामने के घरों में कैमरे लगे हैं जिससे मैदान में आटा डालने वाले व्यक्ति की पहचान हो सकती है।

मैदान में पड़े सांड के शव की पूंछ कुत्ते खा गए, वहीं दूसरी ओर अग्रसेन नगर स्थित घर के बाहर पड़े गाय के शव पर लोगों ने साड़ी और फूल माला डालकर शोक व्यक्त किया। पुलिस का कहना है कि मामले में एफआईआर दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है।

स्वताधिकारी/प्रकाशक मनमोहन शर्मा के लिये साप्ताहिक उज्जैन टाइम्स 110, तिरुपति एवेन्यू, होटल नत्रक्ष के पीछे, पंचक्रोशी मार्ग, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं ज्योति ट्रेडर्स एवं प्रिन्टर्स न्यू रोड़, उज्जैन से मुद्रित।
● प्रधान सम्पादक : मनमोहन शर्मा मोबा. 9827233734 manmohan680@gmail.com (सभी वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)।